NOVATEUR PUBLICATIONS
JournalNX- A Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN No: 2581 - 4230
VOLUME 6, ISSUE 10, Oct. -2020

द्वि-वर्षीय बी. एड.पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृत्ति

विनिता कुमारी

पीएच.डी. शोधार्थी (शिक्षाशास्त्र)

संत जेवियर्स कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन (स्वायत्त)

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय पटना, से संबद्ध ।

सार

शिक्षा एक महत्वपूर्ण और सर्वव्यापी विषय है । यह मानव की उपलब्धि है । शिक्षा का उद्देश्य समाज के उद्देश्य पर आधारित होता है | शिक्षा को औपचारिक या अनौपचारिक तरीके से प्रदान करने के लिए शिक्षक की आवश्यकता होती है तथा शिक्षक को शिक्षक बनने के लिए अध्यापक शिक्षा की आवश्यकता | प्रस्तुत शोध **द्वि-वर्षीय बी. एड.पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृत्ति** पर आधारित है । इस शोध का उद्देश्य लिंग, शिक्षण माध्यम, महाविद्यालय का स्वरूप, निवास-स्थान, शैक्षणिक योग्यता के आधार पर द्वि-वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृत्ति में सार्थक अंतर का अध्ययन करना है। इस शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है । यादृच्छिक प्रतिचयन विधि के द्वारा 200 बी.एड.महाविद्यालय के शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों को चयनित किया गया । इस अध्ययन में स्वनिर्मित एवं वैद्यीकृत द्वि-वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति मनोवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया । आंकड़ों के विश्लेषण के लिए टी-अनुपात का प्रयोग किया गया । इस अध्ययन से निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि द्वि-वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों कि मनोवृत्ति औसतन अच्छी है । लिंग , शिक्षण माध्यम,निवास-स्थान,महाविद्यालय के स्वरूप तथा शैक्षणिक-योग्यता के आधार पर द्वि-वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया ।

मुख्य बिंदु : द्वि-वर्षीय बी. एड.पाठ्यचर्या, मनोवृत्ति तथा अध्यापक शिक्षा |

परिचय

बी. एड. (बैचलर ऑफ़ एजुकेशन) कोर्स एक पूर्व –सेवा कालीन प्रशिक्षण कोर्स है | यह मुख्य रूप से स्नातक पास

प्रशिक्षणार्थियों को दिया जाता है| बी. एड. प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भी शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ता है, जिसमे पाठ्यचर्या महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है |

बी. एड. कार्यक्रम NCTE के द्वारा नियंत्रित किया जाने वाला एक शैक्षणिक गतिविधि है | सर्वप्रथम यह कार्यक्रम हमारे देश में एक वर्ष की अवधि के रूप में चलाया जाता था , लेकिन NCTE ने 1998 में बी. एड. कोर्स को दो वर्ष का करने की बात कही | उसकी बात को ध्यान में रखते हुए NCERT ने अपने सारे क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (RCE) में यह दो वर्ष कार्यक्रम कर दिया | लेकिन दो वर्षों का बी. एड. कोर्स NCTE Nov,28,2014 के भारत सरकार के राजपत्र (under government of India Gazette Notification) No- 346 (F.N. 51 -1 /2014/NCTE/N&S) के आधार पर किया गया है | 2014-15 वार्षिक सत्र तक बी. एड. कार्यक्रम एक वर्ष के रूप में चलाया जाता था | लेकिन भारत के सुप्रीम कोर्ट से सुझावित संगठन न्यायधीश वर्मा आयोग (JVS) 2014 के सुझाव पर शैक्षणिक जगत में लगभग 15 कार्यक्रमों के मानदंड एवं रूप में बदलाव किया गया | इसके अंतर्गत B.Ed, B.P.Ed , तथा M.Ed कोर्स को एक साल के बदले दो वर्ष करने की सलाह दी गई | इसके पीछे मुख्य उद्देश्य शिक्षा- जगत तथा शिक्षण से सम्बन्धित कौशल तथा गतिविधियों को सशक्त करना है |

अर्थात् बी. एड. कोर्स दो वर्ष के आधार पर पाठ्यचर्या का निर्माण किया गया जो वर्तमान परिस्थितियों एवं समाज की आवश्यकता को ध्यान में रखकर बनाया गया है |

अध्ययन की सार्थकता

वर्तमान समय में शिक्षण कार्य से सम्बन्धी लोग की मानसिकता बदल गई है | अधिकांश लोग की अवधारणा है की शिक्षण कार्य बहुत सरल है, इसे कभी भी ग्रहण किया जा सकता है| यही कारण है की अधिकांश व्यक्ति अपना पेशा (करियर) पहले मनपसंद या अन्य क्षेत्र में बनाते हैं और वहाँ असफल होने के बाद वे अंत में शिक्षण कार्य में आपना पेशा (करियर) बनाना शुरू करते है, जिसके कारण उनके शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है| यह अध्ययन बी. एड.प्रशिक्षणार्थियों में द्वि-वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति मनोवृत्ति पर आधारित है | यह अधययन प्रशिक्षणार्थियों के पाठ्यचर्या के प्रति मनोवृति का पता लगाकर उनकी समस्याओं को कम करने में सार्थक सिद्ध होगी | शिक्षा के माध्यम से मनोवृत्ति में परिवर्तन होता है तथा मनोवृत्ति के आधार पर व्यक्ति अपने शैक्षणिक उपलब्धि को हासिल करने में सफल होता है, इसके साथ ही इस शोध का ये भी प्रयास है की शिक्षक जो राष्ट्र विकास एवं सामाजिक परिवर्तन में मुख्य भूमिका निभाते है वे स्वयं द्वि वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति साकारात्मक मनोवृति विकसित करें जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि उत्तम हो |

सम्बंधित साहित्य की समीक्षा

गोराइन (2017) ने पश्चिम बंगाल में दो वर्षीय बी.एड का कार्यक्रम की ओर शिक्षक शिक्षकों के विचार पर अध्ययन किया और अध्ययन में यह भी पता चला कि पुरुष और महिला, ग्रामीण और शहरी शिक्षक शिक्षकों को दो वर्षीय

बी.एड. कार्यक्रम में काफी अंतर नहीं था। 82.5 % प्रशिक्षु दृढ़ता से दो-वर्षीय बी.एड. कार्यक्रमक्र प्रति सहमत हैं| तथा 17. 5 % प्रशिक्षु दृढ़ता से दो-वर्षीय बी.एड. कार्यक्रमक्र प्रति असहमत हैं|

सुधा (2017) ने द्वि- वर्षीय बी.एड.पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक प्रशिक्षुओं तथा शिक्षको की मनोवृत्ति का अध्ययन किया जिसका उद्देश्य छात्र शिक्षकों और शिक्षक शिक्षकों के रवैये की पहचान करना है। अध्ययन से पाया कि मनोवृत्ति संबंधित व्यक्तियों के मानसिक झुकाव को निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दो साल के शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम से संबंधित शिक्षण के क्षेत्र में शिक्षा अनुसंधान, दृष्टिकोण एक सांकेतिक और व्यापक आयाम का गठन करता है |

शल्य परिभाषा

शोधार्थी में शोध में आने वाले विशिष्ट पदों का वर्णन निम्नलिखित तरीके से किया है :-

बी. एड. पाठ्यचर्या:- पाठ्यचर्य से अभिप्राय उस तकनीक एवं उपकरण से है जिसकी सहायत से शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया जाता है | यह कार्यक्रम 2014 तक एक वर्ष के रूप में चलाया जाता था | लेकिन भारत सरकार तथा रास्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) नवम्बर 28, 2014 के सुझाव के अनुसार अब इस कार्यक्रम को दो वर्ष के रूप में चलाया जाता है | पाठ्यचर्या के अंतर्गत पेडागोजी ज्ञान, विषय वस्तु ज्ञान, तथा पाठ्य -सहायक गतिविधियाँ सम्मिलित होती है |

बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृत्ति:- मनोवृत्ति मुख्य रूप से मानव मन की उस दशा को कहते है | जब वह किसी वस्तु के प्रति किसी भी प्रकार की सकारात्मक या नकारात्मक सोच रखता है | यहाँ द्वि-वर्षीय शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृत्ति से अभिप्राय है उनकी सोच से है की वे द्वि-वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति किस प्रकार की सोच रखते हैं |

शोध उद्देश्य

लिंग के आधार पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृति में सार्थक अंतर का पता लगाना|

भाषायिक- मध्यम के आधार पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृति में सार्थक अंतर का पता लगाना |

निवास- स्थान के आधार पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृति में सार्थक अंतर को जॉचना |

संस्थान के प्रकार के आधार पर द्वि -वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृति

में सार्थक अंतर का पता लगाना |

शोध विधि

शोध समस्या के अनुरूप आकाड़ो के संकलन के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है| आकाड़ो के संकलन के लिए पटना को लिया गया है| जिसमें 200 शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया है| प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित स्व-निर्मित तथा वैधिकृत उपकरणों को प्रयोग किया गया है-

प्रदत्त संग्रह की प्रक्रिया

सर्वप्रथम शोधार्थी ने प्रतिदर्श के रूप में चयनित महाविद्यालय में जाकर शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को अनुसन्धान में लाये जाने वाले उपकरणों से परिचय कराया | पुन: शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों पर उपकरण को क्रियान्वित किया|

अध्ययन के समष्टि एवं प्रतिदर्श

शोधार्थी ने प्रतिदर्श के रूप में दो सौ शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया, जो सरकारी मिशनरी तथा प्राईवेट शिक्षण संस्थानों से थे |

उपकरण

स्वनिर्मित एवं वैधिकृत द्वि -वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृति निर्धारण मापनी|

संख्यांकीय तकनीक का प्रयोग

माध्य
प्रमाणित विचलन
टी-अनुपात

अध्ययन की परिसीमाएँ

समिष्टि के रूप में पटना शहर के शिक्षा- बिभाग के बी. एड. प्रशिक्षणार्थियों को लिया गया है|
प्रतिदर्श के रूप में केवल 200 बी. एड. प्रशिक्षणार्थियों को लिया गया है|

परिकल्पनाएं

शोधार्थी ने शोध के लिए विशिष्ट उद्देश्य के अधर पर निम्नलिखित परिकल्पनाओं को बनाया है-

लिंग के आधार पर द्वि -वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मनोवृति में कोई सार्थक अंतर नहीं है |

भाषायिक –माध्यम के आधार पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मनोवृति में कोई सार्थक अंतर नहीं है |

निवास- स्थान के आधार पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मनोवृति में कोई सार्थक अंतर नहीं है |

परिकल्पनाओं का विभेदक विश्लेषण

नल परिकल्पना 1- लिंग के आधार पर द्वि -वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मनोवृति में कोई सार्थक अंतर नहीं है |

तालिका -1

लिंग के आधार पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृति

लिंग	माध्य(mean)	मानक विचलन (SD)	संख्या (N)	टी- मूल्य (t -value)	स्वतंत्रता का अंश (df)	सार्थकता स्तर At(5%)
महिला	160.58	24.37	144	1.09	0.27	सार्थक नहीं
पुरुष	165.41	29.45	56			

(5% सार्थकता स्तर पर 198 स्वत्रंता अंश के लिए तालिका मूल्य 1.96)

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि लिंग के आधार पर द्वि- वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम के प्रति शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मनोवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है क्योंकि लिंग के आधार पर प्राप्त टी-मूल्य का मान 1.0 9 है जो 5 % सार्थकता स्तर के तालिका मान (1.96) सारणी मूल्य से कम है इसलिए नल परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है |

नल परिकल्पना - 2 भाषायिक –माध्यम के आधार पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मनोवृति में कोई सार्थक अंतर नहीं है |

तालिका -2

भाषायिक –माध्यम पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृति

	माध्य	मानक विचलन	संख्या	टी	पी	टिप्पणी
हिन्दी माध्यम	163	27.73	108	0.25	0.56	सार्थक नहीं
अंग्रेजी माध्यम	160.8	23.68	92			

(5% सार्थकता स्तर पर 198 स्वत्रंता अंश के लिए तालिका मूल्य 1.96 है)

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि भाषायिक –माध्यम के आधार पर द्वि - वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम प्रति शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मोनोवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है क्योंकि भाषायिक- माध्यम के आधार पर प्राप्त टी-मूल्य का मान 0.25 है जो 5 % सार्थकता स्तर के तालिका मान (1.96) सारणी मूल्य से कम है इसलिए नल परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है |

नल परिकल्पना 3- निवास- स्थान के आधार पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मनोवृति में कोई सार्थक अंतर नहीं है |

तालिका -3

निवास- स्थान के आधार पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृति

	माध्य	मानक विचलन	संख्या	टी	पी	टिप्पणी
ग्रामीण	162.82	26.71	58	0.35	0.76	सार्थक नहीं
शहरी	161.57	25.65	142			

(5% सार्थकता स्तर पर 198 स्वत्रंता अंश के लिए तालिका मूल्य 1.96 है)

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि निवास- स्थान के आधार पर भी वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम प्रति शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मोनोवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है क्योंकि ग्रामीण तथा शहरी निवास- स्थान के आधार पर प्राप्त टी-मूल्य का मान 0.35 है जो 5 % सार्थकता स्तर के तालिका मान (1.96) सारणी मूल्य से कम है इसलिए नल परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है |

शोध अध्ययन के निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में द्वि-वर्षीय बी.एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृत्ति का अध्ययन करने के पश्चात् शोधार्थी द्वारा निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं :

लिंग के आधार पर द्वि -वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मनोवृति में सार्थक अंतर नहीं है| अतः कहा जा सकता है की द्वि -वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृत्ति पर लिंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है | इसका कारण यह हो सकता है कि महिला तथा पुरुष दोनों ही बी.एड.पाठ्यचर्या में एक जैसा रूचि रखते होंगे|

भाषायिक –माध्यम के आधार पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मनोवृति में सार्थक अंतर नहीं है | अतः कहा जा सकता है कि शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की भाषा चाहे हिन्दी हो या अंग्रेजी द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति मनोवृति में अंतर उत्पन्न नहीं कर सकता |

निवास- स्थान के आधार पर द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों के मध्य मनोवृति में सार्थक अंतर नहीं है | अर्थात् ग्रामीण तथा शहरी शिक्षक-प्रशिक्षणार्थियों की द्वि- वर्षीय बी. एड. पाठ्यचर्या के प्रति मनोवृत्ति एक समान है | इसका कारण उनकी शिक्षण कार्य के प्रति जागरूकता तथा रूचि हो सकती है |

सन्दर्भ सूची

कॉल, बी.(2010).शैक्षिक अनुसन्धान की कार्यप्रणाली,विकास पब्लिकेशन हॉउस ,प्रा.लि.,नई दिल्ली

गुप्ता,एस.पी., अल्का.(2008).शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन,शारदा पुस्तक भवन.आगरा

त्यागी, जी.(2010). भारतीय शिक्षा का परिदृश्य, अग्रवाल पब्लिकेशन. आगरा

माथुर,एस.एस.(2013).शिक्षा की दार्शनिक तथा सामाजिक आधार,अग्रवाल पब्लिकेशन ,आगरा

मंगल, एस.के.(2008).शिक्षा में सांख्यिकी पी.एच.आई.,प्र.लि.जयपुर

अधिकारी, आ.(2017). असम के शिक्षा संस्थान में दो साल बी.एड. कार्यक्रम के प्रति शिक्षक प्रशिक्षुओं की धारणा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड रिसर्च, Vol N. (4). ISSN 2348 – 0343

गोराईन, आर. (2017).पश्चिम बंगाल में दो वर्षीय बी.एड का कार्यक्रम की ओर शिक्षक शिक्षकों के विचार, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज, Vol N. (4). ISSN 2348 – 0343

सुधा,एस.(2017)द्वि-वर्षीय बी.पाठ्यचर्या के प्रति शिक्षक- प्रशिक्षणार्थियों की मनोवृत्ति, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड रिसर्च, मात्रा: 6 ,अंक: 1, जनवरी - 2017 ISSN - 2250-1991